ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-८७
दिनांक-मंगलवार, ४ दिसम्बर,२०१८

टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २५.८ एवं ११.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १४.५ एवं दोपहर में २३.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(५ से ६ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ५ से ६ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २५ से २६ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में १ से २ डिग्री गिरावट आ सकती है जिसके कारण पूर्वानुमानित अवधि में इसके ६ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में कुहासा रह सकता है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रबी फसलों की बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवश्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिश्चित हो सके।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई अतिशीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। अगात बोयी गई गेहुँ की फसल जो २२-२५ दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के १-२ दिनों बाद प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई प्रारंभ करें। इसके लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २६६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गेहूँ की जिन खेतों में दीमक का प्रकोप रहता हो, वैसे किसान दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ लीटर मात्रा बालू में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
- चना की बुआई १० दिसम्बर तक सम्पन्न कर लें। बीज को राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई सम्पन्न करें। राई की फसल में निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- जिन किसानों के खेतों में आलू के पौधों की उँचाई १५-२० से०मी० हो गयी हो उसमें निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- प्याज की पौधशाला में कीट-व्याधी की निगरानी करें। प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें। लहसुन की फसल में निकाई गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें।
- चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकट्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०@ १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। दुधारु पशुओं के दुध में निम्न तापमान के कारण आयी कमी को दूर करनें के लिए नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम भी खिलायें। पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमानः २५.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ६.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी